सेवा.साधना.त्याग

पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर

**Department of Pathology**
**Pt. J.N.M. Medical College Raipur ( C.G.)**

## CME cum Hands-on Workshop on Immunohistochemistry (IHC)

Saturday and Sunday
**22nd** and **23rd** **February**
**2020**

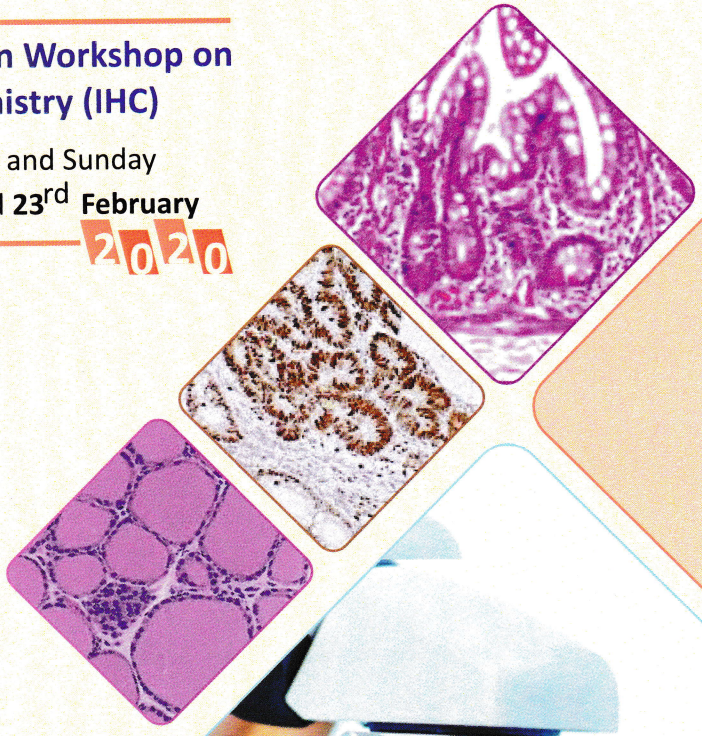

**Organized By**
Department of Pathology
**Pt. J.N.M. Medical College Raipur (C.G.)**

Saraswati # 98271 56979

# Department of Pathology
# Pt. J.N.M. Medical College Raipur ( C.G.)

## CME cum Hands-on Workshop on Immunohistochemistry (IHC)

Saturday and Sunday
**22nd** and **23rd** **February**
2020

Time- 8:45am to 4:30pm

Department of Pathology is organizing a State Level two days CME cum Hands-on Workshop on Immunohistochemistry (IHC)

Faculties-

- **Dr. Major Palash Mandal**
  Histopathologist and IHC expert Kolkata
- **Mr. R.N. Bhunia**
  Technical expert IHC Kolkata
- **Mr. P. Jain**
  Technical expert IHC Kolkata

**Venue -**
Department of Pathology
Pt. J.N.M. Medical College
Raipur (C.G.)

**Maximum participants -** 25

**Registration fee-** 1000/-

**Last date for Registration-** 10th February 2020

Kindly register at the earliest.
Maximum two faculties will be taken from one institute.

**For More Information & Registration -**

**Dr. S.K. Kosam** 98261 28551
**Dr. J. Memon** 96855 26264

Saraswati # 98271 56979

# Department of Pathology
## Pt. J.N.M. Medical College Raipur ( C.G.)

---

**State Level CME cum Hands-on Workshop on Immunohistochemistry (IHC)**

## Tentative Program Schedule

**Day I: 22.02.2020**

| | |
|---|---|
| Upto 9.30 am | Registration of the participants |
| 10.00-10.15am | Welcome & Introduction |
| 10.20-11.00am | Presentation by Prof Dr Madhumita Mukherjee,IPGMER, Kolkata |
| 11.10-11.45am | Inaugural Ceremony |
| 11.45-12.40am | Presentation by Prof Dr Madhumita Mukherjee |
| 12.45-01.45pm | Lunch |
| 01.45-02.45pm | Presenation by Mr R BHUNIA(Tools & technique of IHC) |
| 02.45-03.40pm | Slide Show & Closing Speech |

**Day II: 23.02.2020**

| | |
|---|---|
| 09.30am | Workshop : Introduction & arrangements |
| 09.30 - 09.45am | Talk for Program of the day |
| 10.00 - 02.30pm | Work shop |
| | Lunch in between as time permits |
| 02.30 - 03.30 | Q & A and slide review and workshop wind up |

06/02/2020

**Professor & H.O.D.**
Department of Pathology
Pt. J.N.M. Medical College
Raipur (C.G.)

Department of Pathology
Pt. J.N.M. Medical College, Raipur (C.G.)
CME cum Hands-on Workshop on
Immunohistochemistry
22nd and 23rd February 2020
Department of Pathology
Pt. J.N.M. Medical College
Raipur (C.G.)

Department of Pathology

Department of Path gy

चिकित्सा महाविद्यालय में इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री पर दो दिवसीय कार्यशाला

# इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री : कैंसर के विभिन्न प्रकारों के बीच बताता है अंतर

रायपुर। मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग की ओर से शनिवार को इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री विषय दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यहां देशभर से आए एक्सपर्ट्स ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के निदान में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री की भूमिका पर चर्चा किया। कार्यशाला में कोलकाता से आई डॉ. मधुमिता मुखोपाध्याय ने कहा, कैंसर के विभिन्न प्रकारों के बीच अंतर बताने के लिए आईएचसी यानी इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री का उपयोग किया जाता है। कैंसर के ट्यूमर में पाई जाने वाली असामान्य कोशिकाओं के निदान में इम्यूनोहिस्टोकेमिकल स्टैनिंग का उपयोग व्यापक रूप से किया जाता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका उपयोग कैंसर कोशिकाओं की सतह पर हॉर्मोन रिसेप्टर्स की जांच के लिए किया जाता है। कार्यशाला में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके चंद्राकर, चिकित्सा महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आभा सिंह, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल उपस्थित रहे।

## नई तकनीक पर आज होगी चर्चा

रविवार को हैंड्स ऑन लाइव कार्यशाला में कोलकाता के डॉ. मेजर पलाश मंडल, प्रोफेसर डॉ. मधुमिता मुखर्जी, टेक्नीकल एक्सपर्ट्स आरएन भूनिया व एसपी जैन इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री की नई तकनीक के सम्बन्ध में लाइव प्रशिक्षण देंगे। इस कार्यशाला में पैथोलॉजी विषय के पीजी छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में हिस्सा ले रहे हैं और इस तकनीक की विस्तृत जानकारी हासिल कर रहे हैं।

### डायग्नोसिस बनाने में मिल रही मदद

कार्यक्रम में रागों की जांच व निदान में आईएचसी की भूमिका पर डॉ. आभा सिंह ने कहा आज इस क्षेत्र में नई तक्नीक के आ जाने से मरीज की बीमारी का सटीक रूप से पता लगाकर बेहतर उपचार करने में मदद मिल रही है। डॉ. अरविन्द नेरल ने बताया कि इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री जांच की ऐसी अत्याधुनिक तकनीक है जिसकी सहायता से गंभीर बीमारी के डायग्नोसिस में मदद मिल रही है। समय के साथ इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री कैंसर रोग के बेहद कारगर निदान के तौर पर उभरा है। इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री से कैंसर मैनेजमेंट में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं।

# गंभीर बीमारियों के निदान में इम्यूनोहिस्टो-केमिस्ट्री की भूमिका महत्वपूर्ण

रायपुर. कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के निदान में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री यानी आईएचसी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है. कैंसर के विभिन्न प्रकारों के बीच अंतर बताने के लिए आईएचसी का उपयोग किया जाता है. कैंसर के ट्यूमर में पाई जाने वाली असामान्य कोशिकाओं के निदान में इम्यूनोहिस्टोकेमिकल स्टैनिंग का उपयोग व्यापक रूप से किया जाता है. यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका उपयोग कैंसर कोशिकाओं की सतह पर हॉर्मोन रिसेप्टर्स की जांच के लिए किया जाता है. यह बातें कोलकाता के इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च एंड एसएसकेएम हॉस्पिटल से आई प्रो. डॉ. मधुमिता मुखोपाध्याय ने यूटीलिटी ऑफ आईएचसी इन ट्रूकट बायोप्सी ऑफ लंग ट्यूमर्स विषय पर बोलते हुए कही. मेडिकल कॉलेज में आयोजित इस दो दिवसीय कांफ्रेंस का उद्घाटन शनिवार को आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके चंद्राकर, चिकित्सा महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आभा सिंह और पैथोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल ने की. आज ये देंगे व्याख्यान- रविवार को आयोजित होने वाले हैंड्स ऑन लाइव कार्यशाला में कोलकाता के डॉ. मेजर पलाश मंडल, प्रोफेसर (डॉ.) मधुमिता मुखर्जी, टेक्नीकल एक्सपर्ट्स आरएन भूनिया एवं एसपी जैन इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री की नई तकनीक के संबंध में लाइव प्रशिक्षण देंगे.